प्रा. भेउले

१) हिंदी साहित्येतिहास: लेखन स्त्रोत एवं परम्परा

- हिन्दी साहित्येतिहास लेखन के प्रमुख स्त्रोत
- हिन्दी साहित्येतिहास लेखन परम्परा

२) आदिकाल

- आदिकाल की सामाजिक, सांस्कृतिक तथा राजनितिक पृष्ठभूमि
- आदिकालीन साहित्य: वीरगाथा , जैन, सिद्ध तथा नाथ साहित्य
- रचनाकार -अमीर खुसरो, विद्यापति, नामदेव

३) भक्तिकाल

- भक्तिकाल की सामाजिक, सांस्कृतिक तथा राजनितिक पृष्ठभूमि
- निर्गुण भक्ति साहित्य - संत साहित्य , सूफी साहित्य
- सगुण भक्ति साहित्य - रामभक्ति साहित्य, कृष्ण भक्ति साहित्य

रचनाकार -कबीर, जायसी, तुलसीदास, सूरदास

४) रीतिकाल

- रीतिकाल की सामाजिक, सांस्कृतिक तथा राजनितिक पृष्ठभूमि
- रीतिकालीन साहित्य - रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध तथा रीतिमुक्त
- रचनाकार-केशवदास, पद्माकर, बिहारी , घनानंद, भूषण

प्रश्नपत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन

कुल अंक- ५०

१) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न विकल्पसहित- १०

२) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित - १५

३) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित - १५

४) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर टिप्पणियां चार में से दो - १०

पाठ्यक्रम-

१) साहित्य का स्वरूप:

- साहित्य से तात्पर्य
- संस्कृत आचार्यों द्वारा प्रस्तुत साहित्य-परिभाषाएँ
- पाश्चात्य आचार्यों द्वारा प्रस्तुत साहित्य - परिभाषाएँ
- हिंदी विद्वानों द्वारा प्रस्तुत साहित्य - परिभाषाएँ

२) साहित्य के तत्त्व:

- भाव तत्त्व
- विचार या बुद्धितत्त्व
- कल्पना तत्त्व
- शैली तत्त्व

३) सहित्य-प्रयोजन

- प्रयोजन से तात्पर्य
- संस्कृत आचार्यों द्वारा प्रस्तुत साहित्य प्रयोजन
- पाश्चात्य आचार्यों द्वारा प्रस्तुत साहित्य प्रयोजने३
- हिंदी विद्वानों द्वारा प्रस्तुत साहित्य प्रयोजन

४) साहित्य-हेतु:

- हेतु से तात्पर्य
- संस्कृत आचार्यों द्वारा प्रस्तुत साहित्य हेतु
- पाश्चात्य आचार्यों द्वारा प्रस्तुत साहित्य हेतु
- हिंदी विद्वानों द्वारा प्रस्तुत साहित्य हेतु

५) शब्दशक्ति विचार

- शब्दशक्ति से तात्पर्य
- शब्दशक्ति के प्रमुख भेद

६)रस विचार

- रस का स्वरूप
- रस: भारतीय दृष्टिकोण
- रस: पाश्चात्य दृष्टिकोण
- रस-निष्पत्ति: रस सूत्र की प्रमुख व्याख्याएँ
- रस भेद-सामान्य परिचय : श्रृंगार, वीर, करूणा, रौद्र, भयानक, बीभत्स, अद्‌भुत, शांत, भक्ति, वात्सल्य

प्रश्नपत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन

कुल अंक -५०

१) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर विकल्पसहित लघुत्तरी प्रश्न -	१०
२) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर विकल्पसहित दिर्घोत्तरी प्रश्न -	१५
३) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर विकल्पसहित दिर्घोत्तरी प्रश्न	१५
४) संपूर्ण पाठ्यांश पर टिप्पणियाँ चार में से दो-	१०

बी.ए. तृतीय वर्ष

पेपर क्र. XII- प्रकल्प कार्य - १

पंचम सत्र (semester-V) (12)

प्रकल्प का स्वरुप :

१. भाषा, साहित्य, साहित्येतिहास, साहित्यशास्त्र आदि से संबंधित विषय का चयन कर प्रकल्प लेखन किया जाए।

२. विषय चयन अध्यापक के निर्देशन में हो।

३. प्रकल्प कम से कम २५ तथा अधिक से अधिक ४० टंकित पृष्ठों का हो।

४. प्रकल्प कार्य स्पायरल बाईंडिंग करके प्रस्तुत किया जाए।

५. इसका मूल्यांकन निर्देशक अध्यापक के द्वारा किया जाए।

६. प्रकल्प १०० अंको का हो।

बी.ए. तृतीय वर्ष

पेपर क्र. IX - प्रादेशिक साहित्य (9)

पंचम सत्र (Semester-V)

पाठयपुस्तके:			
	१	प्रतिनिधि कहानी : मराठी संपा: डॉ. माधव सोनटक्के, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली	
	२	पराया: लक्ष्मण माने अनुवादक डॉ. दामोदर खडसे साहित्य अकादमी, रवीन्द्र भवन, फीरोजशहा रोड, नई दिल्ली	

बी.ए. तृतीय वर्ष
पेपर क्र.XIII- मध्यकालीन काव्य
षष्ट सत्र (Semester -VI)

पाठ्यपुस्तक:

१) मध्यकालीन काव्य, संपा. डॉ.माधव सोनटक्के, डॉ.सुकुमार भंडारे, वाणी प्रकाशन दिल्ली.

पाठ्यांश : भक्ति तथा रीतिकाल : पृष्ठभूमि एवं प्रवृतियाँ

१) भाक्तिकालीन कविता : संवेदना

२) भक्तिकालीन कविता: शिल्प विधान

३) रीतिकालीन कविता : संवेदना

४) रीतिकालीन कविता : शिल्प विधान

संदर्भ ग्रंथ

१. भक्तिकालीन काव्य में मानवीय मूल्य-डॉ. हणमंतराव पाटील।

२. कबीर ग्रंथावली- डॉ. भगवत स्वरूप मिश्र।

३. ऐसा चाहू राज मैं--- संत सिपाई रैदास-कुलदिप कुमार।

४. सांझी संस्कृति की विरासत- डॉ. सुभाष चंद्र।

५. रहीम- विजयेन्द्र स्नातक

६. संत नामदेव और हिन्दी पद-साहित्य- डॉ. रामचंद्र मिश्र।

७. कबीर: कल और आज - संपा.डॉ. अशोक मर्डे।

प्रश्नपत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन:

कुल अंक - ५०

प्रश्न १. ससंदर्भ व्याख्या विकल्प सहित १०

प्रश्न २. भक्तिकालीन कविता पर दीर्घोत्तर प्रश्न विकल्प सहित १५

प्रश्न ३. रीतिकालीन कवितापर दीर्घोत्तर प्रश्न विकल्प सहित १५

प्रश्न ४. टिप्पणियाँ-

अ. भक्तिकालीन कविता पर विकल्प सहित ०५

आ. रीतिकालीन कविता पर विकल्प सहित ०५

बी.ए. तृतीय वर्ष
पेपर क्र.XIV- आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास
षष्ट सत्र (Semester -VI)

१.आधुनिक काल

अ) काव्य साहित्य-

- भारतेंदु युगीन कविता
- द्विवेदी युगीन कविता
- छायावादी कविता
- प्रगतिवादी कविता
- प्रयोगवादी कविता
- नई कविता
- समकालीन कविता
- दलित आदिवासी कविता

रचनाकर - भारतेंदु, आयोध्यासिंह उपाध्या हरिऔंध, मैथिलीशरण गुप्त, जसशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, सुमित्रानंदन पन्त, महोदवी वर्मा अज्ञेय, मुक्तिबोध, धूमिल. ओमप्रकाश वाल्मीकि, मोहनदास नैमिशराय, सुशीला टाकभौरे, निर्मला पुतुल, दामोदर मोरे

आ) गद्य साहित्य:

- हिंदी नाटक: उद्‌भव और विकास
- हिंदी कहानी: उद्‌भव और विकास
- हिंदी उपन्यास: उद्‌भव और विकास
- हिंदी एकांकी: उद्‌भव और विकास
- हिंदी जीवनी: उद्‌भव और विकास
- हिंदी आत्मकथा : उद्‌भव और विकास

रचनाकार-
नाटक-एकांकी -भारतेंदु, जयशंकर प्रसाद, रामकुमार वर्मा, मोहन राकेश
कथाकार- प्रेमचंद, यशपाल, जैनेंद्र, फणीश्वरनाथ रेणु
जीवन-आत्मकथा-विष्णु प्रभाकर, हरिवंशराय बच्चन, रामविलास शर्मा, मैत्रेयी पुष्पा, मन्नु भंडारी, ओमप्रकाश, वाल्मीकि, मोहनदास नैमिशराय, सुशीला टाकभौरे,

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. माधव सोनटक्के
२. हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ- डॉ. शिवकुमार शर्मा
३. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास- डॉ.सूर्यनारायण रणसुभे
४. हिंदी साहित्य का सही इतिहास - डॉ.चंद्रभानु सोनवणे

प्रश्नपत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन

कुल अंक-५०

१. संपूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न विकल्पसहित - १०
२. संपूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित - १५
३. संपूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित- १५
४. संपूर्ण पाठ्यक्रम पर टिप्पणियाँ चार में से दो - १०

Paper :- XV

P - 15

साहित्यशास्त्र - २

२) छंद विचार

- छंद- तात्पर्य एवं परिभाषा
- छंद के तत्त्व
- छंद के प्रमुख भेद

अ) मात्रिक छंद-चौपाई, दोहा, सोरठा, गीतिका, कुंडलिया, रोला, हरगीतिका, सरसै, उल्लाला,

आ) वार्णिक छंद-इंद्रवज्रा, वसंततिलका, मालिनी, मंदाक्रांता, शिखरिणी, भुजंगप्रयात, सवैया

३) विधा स्वरूप : विवेचन

- साहित्य विधाएँ : वर्गीकरण
- प्रमुख विधाओं का सैद्धांतिक विवेचन

अ) दृश्यकाव्य : नाटक , एकांकी रेडियोनाट्य धारावाहिक

आ) श्रव्यकाव्य : क) कविता- १) प्रबंध : महाकाव्य , खण्डकाव्य

२) मुक्तक : गीतिकाव्य

ख) गद्य विधाएँ : १) कहानी २) उपन्यास

३) निबंध ४) जीवनी

५) आत्मकथा ६) व्यंग्य

७) ललित निबंध ८) रिपोर्ताज

९) रेखाचित्र १०) संस्मरण

४) आलोचना: स्वरूप तथा भेद

आलोचना : स्वरुप एवं महत्त्व

आलोचना का कार्य

आदर्श आलोचक के गुण

आलोचना के भेद : सामान्य परिचय

- प्रमुख आलोचना भेदों का विशेष परिचय

१) सैद्धांतिक आलोचना

२) ऐतिहासिक आलोचना

३) मार्क्सवादी आलोचना

४) मनोवैज्ञानिक आलोचना

संदर्भ ग्रंथ

१. साहित्यशास्त्र- डॉ. माधव सोनटक्के

२. साहित्य शास्त्र - डॉ. चंद्रभानु सोनवणे

३. प्रयोजनमूलक तथा व्यवहारिक हिंदी - डॉ. सुकुमार भंडारे

प्रश्नपत्र का प्रारुप एवं अंक विभाजन

कुल अंक - ५०

१) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर विकल्पसहित लघुत्तरी प्रश्न - १०

२) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर विकल्पसहित दीर्घोत्तरी प्रश्न - १५

३) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर विकल्पसहित दीर्घोत्तर प्रश्न - १५

४) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर टिप्पणियाँ चार में से दो - १०

बी.ए. तृतीय वर्ष

पेपर क्र. XVI- प्रकल्प कार्य - २

षष्ट सत्र (semester-VI) अंक -१००

प्रकल्प का स्वरुप :

१. भाषा, साहित्य, साहित्येतिहास, साहित्यशास्त्र आदि से संबंधित विषय का चयन कर प्रकल्प लेखन किया जाए।

२. विषय चयन अध्यापक के निर्देशन में हो।

३. प्रकल्प कम से कम २५ तथा अधिक से अधिक ४० टंकित पृष्ठों का हो।

४. प्रकल्प कार्य सफायरल बाईंडिंग करके प्रस्तुत किया जाए।

५. इसका मूल्यांकन निर्देशक अध्यापक के द्वारा किया जाए।

६. प्रकल्प १०० अंकों का हो।

४) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर टिप्पणियाँ चार में से दो - १०

बी.ए. तृतीय वर्ष

पेपर क्र. XVI- प्रकल्प कार्य - २

षष्ट सत्र (semester-VI) अंक -१००

प्रकल्प का स्वरुप :

१. भाषा, साहित्य, साहित्येतिहास, साहित्यशास्त्र आदि से संबंधित विषय का चयन कर प्रकल्प लेखन किया जाए।

२. विषय चयन अध्यापक के निर्देशन में हो।

३. प्रकल्प कम से कम २५ तथा अधिक से अधिक ४० टंकित पृष्ठों का हो।

४. प्रकल्प कार्य सफायरल बाईंडिंग करके प्रस्तुत किया जाए।

५. इसका मूल्यांकन निर्देशक अध्यापक के द्वारा किया जाए।

६. प्रकल्प १०० अंकों का हो।

डॉ. सुकुमार अंभोरे